न्यूज़ टुडे

इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ECMS) के तहत 7 परियोजनाएं स्वीकृत की गई

इन परियोजनाओं से **स्मार्टफोन, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, दूरसंचार और औद्योगिक प्रणालियों** में इस्तेमाल होने वाले पुर्जों का बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा।

- इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ECMS) **अप्रैल 2025 में 22,919 करोड़ रुपये** के कुल परिव्यय के साथ शुरू की गई थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ECMS) के बारे में

- **उद्देश्य:** देश में इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण के लिए एक **मजबूत और आत्मनिर्भर इकोसिस्टम** का निर्माण करना।
  - **इस योजना का मुख्य फोकस-**
    - **मूल्य श्रृंखला** में घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के निवेश को आकर्षित करना;
    - **उच्च घरेलू मूल्यवर्धन** को बढ़ावा देना; तथा
    - भारत को **वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में एक अग्रणी देश** के रूप में स्थापित करना है।
- **नोडल मंत्रालय:** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTY)।
- **लक्षित सेगमेंट्स:** इनमें **सब-असेंबली (जैसे: डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल), बेयर कंपोनेंट्स (जैसे: नॉन-सर्फेस माउंट डिवाइस)** आदि शामिल हैं।
- **अवधि:**
  - **टर्नओवर से संबद्ध प्रोत्साहन:** 6 वर्ष, जिसमें 1 वर्ष की **प्रारंभिक अवधि** शामिल है।
  - **पूंजीगत व्यय प्रोत्साहन:** 5 वर्ष।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रक

- यह देश की GDP में **लगभग 3.4%** का योगदान देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन **2014-15 में 1.9 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 11.3 लाख करोड़** रुपये हो गया है, जो **6 गुना वृद्धि** दर्शाता है।
  - इसी अवधि में **निर्यात 38,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 3.27 लाख करोड़** रुपये हो गया, जो **8 गुना वृद्धि** को दर्शाता है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स **2024-25 में भारत की तीसरी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती निर्यात श्रेणी** बनकर उभरा है। यह निर्यात के मामले में **2021-22 में सातवें स्थान** पर था।
- भारत अब **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता** है।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रक को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए अन्य प्रमुख कदम

- उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLI)
- इलेक्ट्रॉनिक घटक और सेमीकंडक्टर्स निर्माण संवर्धन योजना (SPECS)
- संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर्स योजना (EMC 2.0)
- इलेक्ट्रॉनिक्स विकास कोष और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 (NPE 2019)

सरकार ने भूमिगत कोयला गैसीकरण (UCG) के लिए ड्राफ्ट दिशा-निर्देश जारी किए

भारत सरकार ने **UCG ब्लॉक्स के लिए खनन और खदान बंद करने की योजना** तैयार करने हेतु दिशा-निर्देश बनाए हैं। इनमें **प्रायोगिक व्यवहार्यता अध्ययन, भूजल की निगरानी और खनन के बाद पुनर्वास के तरीके** भी शामिल हैं।

- **खदान को वैज्ञानिक तरीके से बंद** करने के लिए कंपनियों को **कोयला नियंत्रक संगठन (CCO) के पास एस्क्रो खाता बनाए रखना अनिवार्य** होगा।
  - **कोयला नियंत्रक संगठन (CCO)** देश की सभी निजी और सार्वजनिक क्षेत्रक की कोयला खदानों के **कोयला उत्पादन के आंकड़े एकत्र** करता है और उन्हें संग्रहित रखता है। CCO **कोयला मंत्रालय** के तहत कार्य करता है।
  - यदि **तय किए गए कोयले के ग्रेड या आकार को लेकर उपभोक्ताओं और स्वामियों के बीच विवाद होता है, तो CCO अपीलीय प्राधिकरण** के रूप में कार्य करता है।

कोयला गैसीकरण या कोल गैसीफिकेशन क्या है?

- यह एक **थर्मोकेमिकल प्रक्रिया है, जो कोयले को सिंथेटिक गैस या सिनगैस** में परिवर्तित करती है। सिनगैस **कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), हाइड्रोजन (H_2), कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), मीथेन (CH_4) और अन्य गैसों** का मिश्रण होती है।
  - इसमें **उच्च तापमान और दबाव पर आंशिक ऑक्सीकरण** होता है। साथ ही, इसके तहत **CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज प्रौद्योगिकी** का उपयोग किया जाता है।
- यह **कोयले के स्वच्छ उपयोग** को संभव बनाता है। इसके तहत उत्पादित **सिनगैस का उपयोग विद्युत उत्पादन, मेथनॉल, अमोनिया, यूरिया और तरल ईंधन** के लिए किया जाता है।

कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी के समक्ष चुनौतियां

- **परियोजना से जुड़ी उच्च अग्रिम लागत:** इसमें गैसीफायर, CO_2 कैप्चर और प्रसंस्करण इकाइयों आदि के लिए अत्यधिक **अग्रिम निवेश** करना पड़ता है।
- **प्रौद्योगिकी को अपनाना:** इससे संबंधित विश्व में प्रचलित प्रौद्योगिकियां **राख की कम मात्रा वाले कोयले के लिए उपयुक्त** हैं। इन प्रौद्योगिकियों को **राख की अधिक मात्रा वाले भारतीय कोयले** के लिए अनुकूल बनाना तकनीकी रूप से जटिल और महंगा है।
- **कोयला आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितता:** कोयले की असंगत गुणवत्ता और दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों का अभाव कोयला गैसीकरण संयंत्र के संचालन को प्रभावित करता है।
- **इनपुट लागत: इसके तहत उपयोग होने वाले कोयले, ऑक्सीजन और जल संबंधी संयुक्त खर्च** घरेलू स्तर पर कोयला गैसीकरण को आयातित LNG या प्राकृतिक गैस का उपयोग करने की तुलना में अधिक महंगा बनाता है।

आगे की राह

- **वाणिज्यिक स्तर पर विस्तार करना**
  दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करनी चाहिए।
- **संधारणीयता**
  उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, यूज एंड स्टोरेज (CCUS) को शामिल करना चाहिए।
- **नीति संबंधी प्रोत्साहन**
  वायबिलिटी गैप फंडिंग (VGF), सुनिश्चित कोयला आपूर्ति और समर्पित नीलामी तंत्र को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- **प्रौद्योगिकी उपयुक्तता**
  भारत के राख की अधिक मात्रा वाले कोयले के लिए सर्कुलेटिंग फ्लूइडाइज्ड बेड गैसीफिकेशन (CFBG) प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा सकता है।

पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (WIOR) की भू-राजनीतिक केंद्रीयता बढ़ रही है

हाल ही में, **चीन ने पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में अदन की खाड़ी और सोमालिया के तट पर एस्कॉर्ट मिशन (सुरक्षा)** के लिए अपना एक नया नौसैनिक बेड़ा भेजा।

पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (WIOR) का महत्त्व

- **सामरिक एवं भू-राजनीतिक:** यह **मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया** को जोड़ने वाले प्रमुख समुद्री मार्गों को जोड़ता है।
  - इसमें **होर्मुज जलडमरूमध्य, बाब अल-मन्देब जलडमरूमध्य और मोजाम्बिक चैनल** जैसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स (अत्यंत व्यस्त जलमार्ग) शामिल हैं।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** अकेले **होर्मुज जलडमरूमध्य** के माध्यम से **वैश्विक तेल पोत परिवहन** का लगभग 20% गुजरता है।
- **अफ्रीका का प्रवेशद्वार:** यह **एशिया और अफ्रीका** के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है।
- **आर्थिक:** पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में महासागर आधारित संसाधन और उस पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों का आर्थिक मूल्य लगभग **333.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।**
- **भारत के लिए महत्त्व:**
  - **हिंद-प्रशांत सहयोग:** यह **फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका** और अन्य देशों के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करता है।
  - **समग्र सुरक्षा प्रदाता:** यह क्षेत्रीय शक्ति के रूप में भारत की छवि और प्रभाव को बढ़ाता है।
  - **ब्लू इकोनॉमी:** यह भारत के **डीप ओशन मिशन** लिए काफी महत्त्व रखता है।

पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (WIOR) के समक्ष चुनौतियां

- **उभरते समुद्री खतरे:** इनमें समुद्री डकैती, विदेशी वनस्पतियों व जीवों की तस्करी, हथियारों का अवैध परिवहन, मादक पदार्थों की तस्करी, अनधिकृत मत्स्यन, मानव तस्करी आदि शामिल हैं।
- **चीन का बढ़ता प्रभाव:** चीन अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए **"ऋण-जाल कूटनीति"** जैसी नीतियों का इस्तेमाल कर रहा है। उदाहरण के लिए- **जिबूती में चीन का सैन्य अड्डा और पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह।**
- **संघर्षों का प्रभाव:** उदाहरण के लिए- यमन में संघर्ष (हूती लड़ाके)।
- **गैर-परंपरागत खतरे:** जलवायु परिवर्तन जनित पर्यावरणीय खतरे आदि।

पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (WIOR)

पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (WIOR) में अपने हितों की रक्षा के लिए भारत के उपाय

- **सागर/SAGAR (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और समृद्धि):** हिंद महासागर क्षेत्र के लिए समुद्री सहयोग सिद्धांत।
- **साझा बहुपक्षीय मंचों की सदस्यता:** उदाहरण के लिए- इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA), हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) आदि।
- **रक्षा सहयोग और क्षमता निर्माण:** उदाहरण के लिए- कोंकण नौसैनिक अभ्यास (भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच)
- **द्वीपीय राष्ट्रों के साथ रणनीतिक साझेदारियां:** उदाहरण के लिए- मॉरीशस ने अगालेगा द्वीप पर भारतीय सहायता से रनवे एवं जेटी का विकास किया।
- **अन्य:** सूचना संलयन केंद्र-IOR, **ऑपरेशन संकल्प** (IOR में 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' और 'अधिमान्य सुरक्षा भागीदार' के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई), चाबहार बंदरगाह (ईरान), आदि।

शहरी चुनौतियों को संवृद्धि के इंजन के रूप में बदलना

संयुक्त राज्य अमेरिकी द्वारा H-1B वीज़ा शुल्क में हालिया वृद्धि भारत के लिए बेहतर अवसर प्रस्तुत करती है। इस अवसर के माध्यम से अब भारत को **वैश्विक प्रतिभाओं** को आकर्षित करना चाहिए और **रहने योग्य एवं विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहर** विकसित करने चाहिए।

भारत की शहरी क्षमता और वर्तमान स्थिति:

- **आर्थिक इंजन:** भारत के **केवल 15 शहर देश की GDP में लगभग 30% का योगदान** देते हैं।
  - इन शहरों को मजबूत करने से **राष्ट्रीय संवृद्धि दर में प्रतिवर्ष लगभग 1.5% की वृद्धि** हो सकती है।
- **भविष्य की संवृद्धि के चालक:** भारत के पास पहले से ही **विश्व की दूसरी सबसे बड़ी शहरी प्रणाली** है, और **2036 तक 40% आबादी शहरों** में रहने लगेगी।

प्रमुख शहरी चुनौतियां

- **प्रदूषण और गतिशीलता:** विश्व के **10 सबसे प्रदूषित शहरों में से 6** भारत में हैं। **वाहनों से उत्सर्जन और निर्माण कार्यों से उत्पन्न धूल** प्रमुख समस्याएं हैं।
- **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन:** एकत्रित ठोस अपशिष्ट का **केवल 26%** ही वैज्ञानिक रूप से उपचारित किया जाता है, और **मिश्रित अपशिष्ट** का बड़ा हिस्सा अप्रबंधित रहता है।
- **जल संकट:** पाइपलाइन से आपूर्ति किए जाने वाले जल का **40–50% हिस्सा लीकेज और कुप्रबंधन** के कारण नष्ट हो जाता है।
- **शहरी घनत्व और आवास:** किफायती आवासों की कमी **2030 तक तीन गुना बढ़कर 3.1 करोड़ इकाइयों** तक पहुंच सकती है। इससे **निम्न फ्लोर स्पेस इंडेक्स** (FSI) की समस्या उत्पन्न होती है, जो शहरी फैलाव को बढ़ाता है।
  - **फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) या फ्लोर एरिया रेश्यो (FAR)** किसी इमारत के कुल निर्मित क्षेत्र और उसके भूखंड के क्षेत्रफल का अनुपात होता है।
- **अन्य मुद्दे:** नीति आयोग के अनुसार भीड़भाड़ और गतिशीलता, कमजोर स्थानीय शासन, पुराने विनियमन आदि।

प्रस्तावित उपाय

- **प्रदूषण और गतिशीलता:** सार्वजनिक परिवहन का **विद्युतीकरण** किया जाना चाहिए। **अर्बन चैलेंज फंड** के माध्यम से उच्च प्रदर्शन करने वाले शहरों को **प्रोत्साहन** दिया जाना चाहिए।
- **जल संकट: पुनर्चक्रण और वर्षा जल संचयन** का विस्तार किया जाना चाहिए। **"जितना उपयोग, उतना भुगतान"** जैसे तर्कसंगत जल मूल्य निर्धारण को अपनाया जाना चाहिए।
- **शहरी घनत्व और आवास: उच्च फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI)** की अनुमति दी जानी चाहिए। **संधारणीय मॉडल्स (जैसे- सिंगापुर का हरित शहरी मॉडल)** को अपनाना चाहिए।
  - **साओ पाउलो और टोक्यो** के मॉडल्स की तरह, बिल्डिंग डेवलपर्स को **सामाजिक आवास या परिवहन अवसंरचना में योगदान** के बदले में इमारतों की अधिक ऊंचाई बढ़ाने की अनुमति देनी चाहिए।
- **गवर्नेंस और क्षमता:** शहरी शासन को **शक्तियां और वित्त** सौंपें (विकेंद्रीकरण) जाने चाहिए। साथ ही **संपत्ति कर सुधारों, डिजिटलीकृत भूमि रिकॉर्ड और भूमि मूल्य अधिग्रहण** (जैसा कि हांगकांग में है) के माध्यम से **राजस्व में सुधार** करने की आवश्यकता है।

अन्य सुर्खियां

पांडा कूटनीति

चीन के सुनहरे बंदरों को फ्रांस और बेल्जियम भेजा गया है। यह पहल **पांडा कूटनीति** के समान **वैज्ञानिक और संरक्षण संबंधी सहयोग** को बढ़ावा देने के लिए है।

- गोल्डन स्नब नोज्ड मंकी (जिन्हें **सिचुआन गोल्डन-स्नब मंकी** भी कहा जाता है) **एफ्रो-यूरोएशियाई प्राइमेट** हैं। यह **चीन के मध्य और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों** की स्थानिक प्रजाति है।

पांडा कूटनीति के बारे में

- यह उस प्रथा को संदर्भित करती है, जिसमें चीन की सरकार अन्य देशों के साथ **मित्रता, सद्भावना या कूटनीतिक संबंधों को मजबूत** करने के प्रतीक के रूप में **विशाल पांडा उपहार स्वरूप** देती है।
- **अन्य समान कूटनीतियां:**
  - मलेशिया की ऑरंगुटान कूटनीति;
  - ऑस्ट्रेलिया की कोआला कूटनीति;
  - थाईलैंड की एलिफेंट कूटनीति आदि।

स्टेबलकॉइन

जापान ने दुनिया का **पहला येन से संबद्ध** स्टेबलकॉइन लॉन्च किया।

स्टेबलकॉइन के बारे में

- यह **ब्लॉकचेन-आधारित एक डिजिटल करेंसी** होती है। इसे एक **स्थिर मूल्य** बनाए रखने के लिए किसी **फिएट मुद्रा** (जैसे येन या डॉलर) से **जोड़ा या संबद्ध** किया जाता है।
- **उद्देश्य:** यह पारंपरिक वित्त और क्रिप्टोकरेंसी के बीच एक सेतु का काम करती है। इससे **तेज, कम लागत वाले और सुरक्षित डिजिटल लेन-देन** संभव होते हैं।
- **अन्य प्रमुख स्टेबलकॉइन:** टीथर (USDT), USD कॉइन (USDC) आदि।

राष्ट्रीय बीज निगम (National Seeds Corporation: NSC)

केंद्रीय कृषि मंत्री ने राष्ट्रीय बीज निगम के **अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र** का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय बीज निगम (NSC) के बारे में

- **उद्देश्य: उच्च गुणवत्ता वाले बीजों** और अन्य कृषि इनपुट/ सेवाओं की आपूर्ति के माध्यम से देश में **बीज उद्योग को बढ़ावा देना एवं विकसित** करना। साथ ही, **कृषि उत्पादकता को बढ़ाना।**
- **मंत्रालय: कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय।**
- **स्थापना: 1963 में।**
- **श्रेणी:** भारत सरकार के **पूर्ण स्वामित्व** में, अनुसूची 'B', **मिनीरत्न श्रेणी-I** निगम।

समायोजित सकल राजस्व (Adjusted Gross Revenue - AGR)

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को AGR के मुद्दे पर पुनर्विचार करने की अनुमति दी।

AGR के बारे में

- **परिभाषा:** AGR को दूरसंचार ऑपरेटर्स के दूरसंचार और गैर-दूरसंचार सेवाओं से होने वाले लाभ के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें ब्याज से आय, फंड और लाभांश में वृद्धि भी शामिल होती है।
- **परिभाषा को लेकर विवाद:** दूरसंचार कंपनियां हमेशा से यह मानती रही हैं कि AGR में केवल दूरसंचार सेवाओं से होने वाले राजस्व को ही शामिल किया जाना चाहिए, और गैर-दूरसंचार राजस्व को इससे बाहर रखा जाना चाहिए।

डिजिटल अरेस्ट

सुप्रीम कोर्ट, डिजिटल अरेस्ट के खतरे की जांच का कार्य केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंपने पर विचार कर रहा है।

डिजिटल अरेस्ट क्या है?

- डिजिटल अरेस्ट एक प्रकार की धोखाधड़ी है। इसमें भय, छल और धमकी का उपयोग करके पीड़ितों से धन की मांग की जाती है।
- इसमें धोखाधड़ी को अंजाम देने वाले स्वयं को कानून प्रवर्तन अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वे पीड़ितों को गिरफ्तारी, बैंक खातों को फ्रीज करने और पासपोर्ट रद्द करने की धमकी देकर उन्हें कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए "जुर्माना" या "रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट" देने के लिए मजबूर करते हैं।

केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान

एक अध्ययन में भूमि उपयोग और मणिपुर की लोकटक झील में जल प्रदूषण के बीच संबंध पाया गया, जिसका एक भाग केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के साथ साझा होता है।

लोकटक झील के बारे में

- यह पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी ताज़े पानी की झील है। यह फुमडी (वनस्पतियों के तैरते हुए द्वीप) के लिए प्रसिद्ध है।
- यह 1990 से एक रामसर स्थल है।
- पारिस्थितिक समस्याओं के कारण यह 1993 से मोंट्रेक्स रिकॉर्ड के तहत सूचीबद्ध है।

केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- **स्थान:** मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के दक्षिणी भाग और थोउबाल जिले के पूर्वी भाग में स्थित है।
- इसे 1954 में वन्यजीव अभयारण्य और 1977 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ उद्यान है।
- लोकटक झील में फुमडी का सबसे बड़ा क्षेत्र केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।
- **जीव-जंतु:** ब्रो-एंटलर्ड हिरण (संगाई), हॉग डियर, ऊदबिलाव आदि।

यूएई कंसेंसस

हालिया संयुक्त राष्ट्र (UN) रिपोर्ट में यूएई कंसेंसस को वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजीशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताया गया।

यूएई कंसेंसस के बारे में

- **स्वीकृति:** इसे COP-28 (2023) में अपनाया गया था और यह पेरिस समझौते के तहत पहले ग्लोबल स्टॉकटेक को दर्शाता है।
- **ऊर्जा ट्रांजीशन:** यह राष्ट्रों से जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ हरित ईंधन को न्यायसंगत, निष्पक्ष और संतुलित तरीके से अपनाने का आग्रह करता है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा और दक्षता:** यह 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तिगुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के स्पष्ट लक्ष्य को निर्धारित करता है।
- **जलवायु वित्त:** यह सुभेद्य राष्ट्रों की सहायता के लिए अधिक अनुकूलन सहायता और वित्तीय सुधारों का आह्वान करता है।
- **वैश्विक लक्ष्य:** इसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5°C तक सीमित रखना और 2050 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन हासिल करना है।

ब्यूरेवेस्तनिक मिसाइल

रूस ने अपनी परमाणु-ऊर्जा चालित और परमाणु-सक्षम ब्यूरेवेस्तनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

ब्यूरेवेस्तनिक मिसाइल के बारे में

- इसे SSC-X-9 स्काईफॉल भी कहा जाता है।
- यह रूस के नवीन पीढ़ी के परमाणु शस्त्रागार के 6 सामरिक हथियारों में से एक है।
- **प्रकार:** यह लंबी दूरी की, कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाली व परमाणु-ऊर्जा चालित क्रूज़ मिसाइल है।
  - क्रूज़ मिसाइल वह मिसाइल होती है, जो अपनी पूरी यात्रा के दौरान निरंतर उड़ान के लिए जेट इंजनों द्वारा संचालित होती है।

ज्ञान भारतम मिशन

'ज्ञान भारतम' मिशन (2025) के तहत कार्य विस्तार के लिए सरकार ने 17 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

'ज्ञान भारतम' मिशन (2025) के बारे में

- **विज़न:** भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करना, डिजिटाइज़ करना और प्रसारित करना। साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसकी सभ्यतागत ज्ञान परंपराओं को पुनर्जीवित करना।
  - पांडुलिपियां कम-से-कम 75 साल पुरानी कागज, वृक्ष की छाल, कपड़ा, धातु, ताड़पत्र या किसी अन्य सामग्री पर हस्तलिखित रचनाएं होती हैं। इनका वैज्ञानिक, ऐतिहासिक या कलात्मक महत्त्व होता है।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - देश भर में 1 करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटाइज़ और सूचीबद्ध करना।
  - पांडुलिपियों का एक राष्ट्रीय डिजिटल भंडार स्थापित करना।
  - स्मार्ट पहुंच, प्रतिलेखन और मूल स्रोत, स्थान आदि के लिए AI, OCR (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन), और ब्लॉकचेन तकनीकों का एकीकरण करना।
- **नोडल मंत्रालय:** संस्कृति मंत्रालय।
- **रणनीतिक स्तंभ:** शैक्षणिक नेतृत्व, तकनीकी एकीकरण, क्षमता निर्माण और जनभागीदारी।